

प्रेषक

अमिताम श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक,
खेल निदेशालय,
देहरादून।

खेल अनुभाग

देहरादून : दिनांक 08 दिसम्बर, 2004

विषय:- जनपद चमोली के मुख्यालय में निर्मित स्टेडियम के विस्तारीकरण हेतु धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक खेल निदेशालय के पत्र संख्या-2489/गो0स्टे0नि0प0/2004-05/ देहरादून, दिनांक 5 नवम्बर, 2004 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद चमोली मुख्यालय में निर्मित स्टेडियम के विस्तारीकरण हेतु वित्त विभाग टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत धनराशि रू0 66.29 लाख (रू0 छियासठ लाख उन्नतीस हजार मात्र) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई थी। गत वर्ष रू0 33 लाख निर्गत किए गए थे। चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में प्राविधानित धनराशि रू0 75.00 लाख में से अवशेष बची धनराशि में से रू0 55.0488 (पच्चपन लाख चार सौ अट्ठासी मात्र) में से रू0 33.29 लाख (रू0 तैतीस लाख उन्नतीस हजार मात्र) श्री राज्यपाल महोदय व्यय करने की निम्नलिखित शर्तों के आधार पर सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृति/अनुमोदित दरों को जो शिडयूल आफ रेट में स्वीकृति नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 2- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 4- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 5- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 6- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 7- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए। निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।
- 8- यदि स्वीकृत राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृत प्राप्त करनी होगी, स्वीकृति राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाय।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आंबटित सीमा तक ही व्यय समिति रखा जाय। यहा यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेश में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-4202 शिक्षा, खेल कूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत-03, खेलकूद तथा युवक सेवा, खेलकूद स्टेडियम-102-खेलकूद स्टेडियम-05, स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण चालू कार्य-24 वृहद् निर्माण कार्य नामक मद के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-1048/वित्त अनुभाग-2, दिनांक 4 दिसम्बर, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- VI-I/2004, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, ओबरीय बिल्डिंग, सहारनपूर रोड़, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
- 3- वरिष्ठकोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- श्री एल०एम० पन्त, अपर सचिव, वित्त विभाग।
- ✓ 5- निदेशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, देहरादून।
- 6- परियोजना प्रबन्ध राजकीय निर्माण निगम श्रीनगर गढ़वाल।
- 7- वित्त अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।